एक नजर में

समाज धर्मशाला में अनुदानदाताओं का सम्मान

पिपलियामंडी। घाणावार तेली समाज द्वारा भादवामाता में समाज की धर्मशाला के लिए जमीन क्रय करने के लिए सहयोग करने वाले दानदाताओं का धर्मशाला समिति की ओर से सम्मान किया गया। गांव कनघट्टी से अंबालाल नागरिया द्वारा 151000, रतनलाल नागरिया द्वारा 111111, रामनारायण नागरिया द्वारा 51000, बालागुढ़ा के संतोष राठौर की ओर से 11000 का अनुदान दिया गया। अनुदान देने वालों का समिति अध्यक्ष प्रकाश राठौर (तुरकिया) ने पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर लक्ष्मीनारायण राठौर खोखरा, जेपी तेलकार पिपलियामंडी, भारत सरतलिया, शांतिलाल राठौर आदि उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट की रोक के बाद भी हो रही हरे-भरे पेड़ों की कटाई

इंदौर. मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की साफ हिदायत के बाद भी इंदौर जिले के ग्रामीण इलाकों में हरे-भरे पेड़ों की बेखौफ कटाई हो रही है. इस संबंध में वन विभाग के छोटे कर्मचारी अपने आकाओं की बात को भी अनसुना कर रहे हैं. शासन के नियमानुसार आरा मशीन सूर्योदय से सूर्यास्त तक ही चलाई जा सकती है, जबकि इस नियम का भी यहां खुलेआम मखौल उड़ाया जा रहा है. देर रात आसपास के गांवों से भारी मात्रा में लकड़ी स्थानीय मंडी में आ रही है, जिस पर कोई नियंत्रण नहीं है. वन सुरक्षाकर्मी के साथ रेंजर की भूमिका भी संदिग्ध बताई गई है. शहर के आसपास के मुख्य मार्गों पर वन विभाग ने लकड़ी चोरी रोकने के लिए वन उपज चौकियां स्थापित की हैं. ये चौकियां सिरपुर के पास धार रोड पर जवाहर टेकरी वनोपज चौकी, एयरपोर्ट रोड, देवास नाके के पास और नेमावर रोड पर देवगुराड़िया के पास तथा एबी रोड पर राजेन्द्र नगर के पास वनोपज चौकी स्थापित की गई हैं. बावजूद इसके हरे-भरे पेड़ों के काटी गई चोरी की लकड़ी इंदौर के गुरुनानक टिम्बर मार्केट में देर रात को भारी तादाद में आ रही है. इन हरे-भरे पेड़ों की लकड़ियों को लकड़ी माफिया देर रात में आरा मशीन के हवाले कर रफा-दफा कर देते हैं. कहने को तो लकड़ी मंडी में वन विभाग की तरफ से लंबी चौड़ी फौज तैनात की गई है. इस टिम्बर मार्केट में लकड़ी चोरों पर निगाह रखने के लिए दर्जनभर वन सुरक्षाकर्मी के साथ उड़नदस्ता के साथ अधिकारियों का एक दल सतत निगरानी करता रहता है. बावजूद इसके टीपी के नाम पर इस टिम्बर मार्केट की अधिकांश आरा मशीनें रातभर चलती रहती हैं. आरा मशीन मालिकों ने बड़े-बड़े गोदाम बना रखे हैं और बाहर से शटर पर ताला लगा दिया जाता है, अंदर मशीन चलती रहती है. यह बोले जिम्मेदार...- इस संबंध में इंदौर वनमंडल अधिकारी श्री मिश्रा से उनके मोबाइल नंबर 6260627701 पर चर्चा की गई तो उन्होंने यह स्वीकार किया कि कुछ दिनों से लकड़ी के अवैध परिवहन की शिकायतें मिल रही थीं, इस पर हमने सख्ती करना शुरू किया है. लकड़ी का अवैध परिवहन रोकने के लिए गस्त बढ़ाएंगे. उन्होंने यह भी कहा कि अगर लकड़ी परिवहन में किसी वनकर्मी की भूमिका संदिग्ध हो तो उसका नाम उजागर करें, ताकि उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके.

हाईकोर्ट के वकील बने 'आंखों का उजाला' देने वाले दाता

इंदौर. हाई कोर्ट परिसर स्थित बार काउंसिल के हॉल में नेत्रदान जागरूकता को समर्पित एक विशेष टॉक एवं इंटरएक्टिव सेशन का आयोजन किया गया. इसमें मुख्य वक्ता डॉ. तेजेश ए. मेहता ने नेत्रदान के महत्व और इसके सामाजिक प्रभाव पर विस्तार से बताया. उन्होंने प्रतिभागियों को जागरूक करते हुए समझाया कि मृत्यु के बाद हमारी आंखें किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में उजाला बन सकती हैं. इसलिए प्रत्येक नागरिक को नेत्रदान के लिए आगे आना चाहिए. ज्ञात हो कि डॉ. मेहता पिछले पांच वर्षों से रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के साथ मिलकर नेत्रदान जागरूकता अभियान पर लगातार काम कर रहे हैं. इस दौरान उन्होंने हजारों लोगों को जागरूक किया और अनेक लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित भी किया. शुक्रवार को बार काउंसिल हाल में हुए इस विशेष टॉक एवं इंटरएक्टिव सेशन में डॉ. मेहता ने कहा कि मृत्यु के बाद हमारी आंखें व्यर्थ न जाएं, हमें उन्हें किसी जरूरतमंद को उपहार में दे देना चाहिए. उनके इस प्रेरक संदेश ने उपस्थित वकीलों, न्यायाधीशों और कोर्ट स्टॉफ पर गहरा प्रभाव डाला और सभी ने नेत्रदान आंदोलन की आवश्यकता और उपयोगिता को समझते हुए इस मिशन को समर्थन देने की इच्छा व्यक्त की.देश में लाखों लोगों को मिल सकता है लाभ-इस अवसर पर रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के पब्लिक इमेज चेयरपर्सन घनश्याम सिंह और रोटरी क्लब इंदौर चोइथराम की अध्यक्ष अनुजा ताओसे ने बताया कि भारत में लाखों कॉर्नियल ब्लाइंड मरीज हैं, जिन्हें नेत्रदान एक नया जीवन दे सकता है. उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में जागरूकता बढ़ाने के लिए बेहद आवश्यक हैं, क्योंकि नेत्रदान न केवल रोगियों की जिंदगी बदल सकता है, बल्कि इसे एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप भी दिया जा सकता है. उन्होंने बताया कि रोटरी क्लब लगातार ऐसे अभियानों के माध्यम से समाज को नेत्रदान की दिशा में प्रेरित कर रहा है.

केंद्रीय राज्य मंत्री मेघवाल पहुंचे महापौर निवास

विकास कार्यों पर हुई चर्चा

इंदौर। केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल इंदौर प्रवास के दौरान महापौर निवास पहुंचे। महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं उनकी पत्नी जूही भार्गव ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने केंद्रीय मंत्री को शहर के स्वच्छता, ऊर्जा, सड़क विकास, नागरिक सुविधा विस्तार सहित विभिन्न प्रगतिशील कार्यों की जानकारी साझा की। इस दौरान महापौर ने उन्हें नगर निगम द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'नागरिक' और शहर की जागरूकता एवं स्वच्छता बढ़ाने हेतु चलाए जा रहे 'झोलाधारी इंदौरी अभियान' की किट भी भेंट की।उन्होंने महापौर तथा जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता और सहभागिता की भी प्रशंसा की। महापौर ने मंत्री को शहर में आगामी विकास योजनाओं से भी अवगत कराया। केंद्र सरकार से निरंतर सहयोग प्राप्त होने पर आभार व्यक्त किया। इस दौरान सांसद शंकर लालवानी, भाजपा नगर अध्यक्ष सुनीत मिश्रा, एमआईसी सदस्य अभिषेक शर्मा बबलू, राजेश उदावत, निरंजन सिंह चौहान, अश्विनी शुक्ला सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं इष्टमित्र उपस्थित थे।

गरोठ में नाबार्ड व बाएफ लाइवलीहुड्स, मप्र के सहयोग से एफपीओ स्थापित

मंदसौर गोल्ड किसान उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित की बैठक संपन्न

मन्दसौर। जिले के गरोठ विकासखण्ड में नाबार्ड के सहयोग से बाएफ लाइवलीहुड्स, मध्यप्रदेश द्वारा गठित मंदसौर गोल्ड किसान उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित (एफपीओ) में संस्था के सुचारू संचालन, भविष्य की कार्ययोजना और किसान हितैषी गतिविधियों को लेकर बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपसंचालक उद्यान विभाग के.एस. सोलंकी, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड योगेश सैनी, तथा बाएफ लाइवलीहुड्स म.प्र. के राज्य प्रमुख पवन पाटीदार सहित एफपीओ के सभी संचालकगण एवं किसान प्रतिनिधि गरिमामयी उपस्थिति में शामिल हुए।

एचडीएफसी बैंक की परिवर्तन पहल और बाएफ लाइवलीहुड्स के प्रयासों का परिणाम-1200 परिवारों के यहां 1352 एकड़ में संतरे की सफल वाडी- उल्लेखनीय है कि पिछले तीन वर्षों से एचडीएफसी बैंक की परिवर्तन पहल के तहत बाएफ लाइवलीहुड्स के तकनीकी मार्गदर्शन से 50 गाँवों में 1352 एकड़ में स्थापित संतरा वाडी मॉडल अत्यंत सफल रहा है। इसी सामूहिक सफलता ने क्षेत्र में किसानों को एक मजबूत संगठन बनाने का अवसर दिया, जिसके परिणामस्वरूप नाबार्ड के सहयोग से 'मंदसौर गोल्ड एफपीओ' का अक्टूबर 2025 में गठन हुआ।

एफपीओ कार्यालय मेलखेड़ा में आयोजित बैठक में सरकारी योजनाओं, उद्यानिकी कार्यक्रमों, क्लस्टर विकास, मूल्य संवर्धन, मार्केट लिंकेज और एफपीओ सुदृढ़ीकरण योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

नाबार्ड और उद्यान विभाग का मार्गदर्शन- नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक योगेश सैनी ने एफपीओ को मिलने वाली 5 वर्षीय प्रशासनिक सहायता, मानव संसाधन विकास, प्रशिक्षण, वित्तीय प्रबंधन एवं कार्यालय संचालन पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

उपसंचालक उद्यान विभाग के.एस. सोलंकी ने कहा कि 'एफपीओ किसानों को सामूहिक शक्ति प्रदान करता है। उत्पादन से विपणन तक किसान मजबूत होकर काम कर पाते हैं। सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ पाने हेतु एफपीओ का सक्रिय होना अत्यंत आवश्यक है।'

एफपीओ किसानों की आर्थिक उन्नति का सबसे प्रभावी माध्यमरू बाएफ लाइवलीहुड्स के राज्य प्रमुख पवन पाटीदार ने कहा कि 'एफपीओ किसानों की आर्थिक उन्नति का सबसे प्रभावी माध्यम है। संगठन, सामूहिक क्रय-विक्रय, मूल्य संवर्धन, प्रोसेसिंग और मार्केट कनेक्टिविटी मजबूत होने से किसानों की आमदनी में सीधा लाभ होगा।'

बैठक में उपस्थित एफपीओ अध्यक्ष सुखदेव पाटीदार एवं उपाध्यक्ष नैनसिंह राठोर द्वारा क्षेत्र के सभी वाडी प्रतिभागियों और संतरा उत्पादक किसानों को विशेष आह्वान किया गया पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर केवल राशि रुपये 2500 (2000 शेयर राशि 500 सदस्यता शुल्क) जमा कराकर सदस्यता लेने वाले पहले 750 सदस्यों को नाबार्ड द्वारा प्रति सदस्य राशि रुपये 2000 अनुदान प्रदान किया जाएगा। इस प्रकार प्रारंभिक 750 सदस्यों की कुल शेयर राशि राशि 4000 हो जाएगी, जिससे उन्हें भविष्य में लाभांश, लाभ वितरण एवं संस्थागत निर्णयों में प्राथमिकता मिलेगी।

बैठक में उपस्थित प्रमुख व्यक्तिरू बैठक में बाएफ लाइवलीहुड्स से अभिराज सिंह कंबोज, समन्वयक-एपीओ तथा मन्दसौर गोल्ड एफपीओ से सुखदेव पाटीदार (अध्यक्ष), नैनसिंह राठौड़ (उपाध्यक्ष), संचालकगण दिलीप पाटीदार, सोनू पाटीदार, रामदयाल धाकड़, ओम पाटीदार, रणजीत सिंह, मुकेश पाटीदार, घनश्याम पाटीदार, लक्ष्मीनारायण पाटीदार, कारूलाल पाटीदार, साथ ही प्रतिनिधि अनुसुइया पाटीदार उपस्थित रहे।

युवक ने सल्फास खा की सुसाइड की कोशिश हालत गंभीर

मनासा. नीमच जिले के मनासा नगर में एक युवक ने सल्फास नामक जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। उसकी हालत गंभीर होने पर उसे नीमच जिला चिकित्सालय के आईसीयू में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसका उपचार जारी है।

युवक की पहचान अलेहड़ निवासी अशोक पिता कैलाश (30 वर्ष, माली) के रूप में हुई है। उसने यह आत्मघाती कदम मनासा में मारू ट्रैक्टर शोरूम के समीप उठाया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और तत्काल परिजनों को सूचना दी गई।

परिजन उसे मनासा के स्थानीय चिकित्सालय ले गए। सल्फास की अत्यधिक विषाक्तता के कारण युवक की हालत गंभीर बनी हुई थी।

मनासा के चिकित्सकों ने उसे तुरंत बेहतर उपचार के लिए नीमच जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

नीमच पहुंचने पर शुक्रवार रात उसे ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। युवक ने किस कारणवश यह आत्मघाती कदम उठाया, फिलहाल इसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है.

मेटरनिटी वार्ड में सुरक्षा गार्ड नदारद; स्टाफ को तत्काल प्रशिक्षण के निर्देश

नीमच जिला अस्पताल में स्टेट कंसल्टेंट का निरीक्षण

नीमच.. भोपाल से आई स्टेट मैटरनिटी-चाइल्ड हेल्थ कंसल्टेंट डॉ. प्राची अग्निहोत्री ने शुक्रवार रात नीमच जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।इस दौरान मातृ और शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में चौंकाने वाली खामियां सामने आई। डिलीवरी वार्ड से लेकर ब्लड बैंक तक किए गए इस निरीक्षण में संसाधनों की कमी, सुरक्षा में चूक और स्टाफ की कमी पाई गई।

निरीक्षण टीम के सामने यह बात प्रमुखता से आई कि हाल ही में ब्लड चढ़ाने के दौरान एक प्रसूता की मौत के बाद अस्पताल स्टाफ गंभीर मरीजों का इलाज करने और जोखिम भरे निर्णय लेने से बचने लगा है। स्टाफ की इस मानसिक स्थिति का सीधा असर सिजेरियन डिलीवरी की संख्या में आई कमी पर दिख रहा है।

निरीक्षण के दौरान डिलीवरी वार्ड में सुरक्षा गार्ड नदारद : कंसल्टेंट डॉ. अग्निहोत्री ने स्टाफ की ओर से ब्लड चढ़ाना बंद करने जैसे अति-संवेदनशील मुद्दे पर सीधा सवाल किया।

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. लाड धाकड़ ने विवाद की आशंका जताते हुए वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति की मांग की। इस पर कंसल्टेंट ने सख्त निर्देश दिए कि जरूरत होने पर ब्लड चढ़ाना किसी भी हाल में बंद नहीं होना चाहिए।निरीक्षण के दौरान डिलीवरी के बाद वार्ड 3 में सुरक्षा गार्ड नदारद मिला।

डॉ. अग्निहोत्री ने तत्काल सुरक्षा सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि माताओं और नवजातों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगामरीजों से सीधी बातचीत में एक और बड़ी खामी उजागर हुई।

भर्ती महिलाओं को सैनिटरी पैड उपलब्ध नहीं कराए जा रहे थे। हालांकि, भोजन और नाश्ते की उपलब्धता पर मरीजों ने संतुष्टि जताई। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि आयरन और कैल्शियम की दवाइयों के सही समय और खाने के बारे में पूछने पर नर्सिंग स्टाफ जवाब देने में हिचकिचा रही है।मोबाइल में जानकारी खोजने लगा है। डॉ. अग्निहोत्री ने कड़ी टिप्पणी की कि यदि स्टाफ को बुनियादी जानकारी नहीं है, तो वे मरीजों का इलाज कैसे कर रहे हैं।

उन्होंने तत्काल स्टाफ को प्रशिक्षण देने और सख्त ड्रेस कोड का पालन करने के निर्देश दिए।सिविल सर्जन डॉ. महेंद्र पाटिल और डॉ. लाड धाकड़ ने स्टाफ और संसाधनों की कमी को स्वीकार किया। डॉ. अग्निहोत्री ने आश्वासन दिया कि अस्पताल की पूरी जानकारी और कमियों को प्रदेश स्तर के उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा।

भामाशाह पं. योगेन्द्र महंत राष्ट्रीय गौरव सम्मान समारोह 25 को

नीरज वैष्णव शाजापुर को मिलेगा 2025 राष्ट्रीय गौरव सम्मान

मंदसौर। अनन्त सेवा न्यास इंदौर ओर वैष्णव सेवा संघ कोर कमेटी मंदसौर के तत्वावधान में समाज सेवा में सदैव तन मन धन से सक्रिय नीरज वैष्णव पूर्व जनपद अध्यक्ष शाजापुर को इस बार भामाशाह पण्डित योगेन्द्र महंत राष्ट्रीय गौरव सम्मान 2025 से प्रमुख प्रशासनिक अधिकारियों एवं मुख्य अतिथियों द्वारा कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम मंदसौर में सम्मानित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में देश भर से प्रमुख वैष्णव समाजसेवी पधारेंगे, साथ ही वैष्णव बैरागी समाज मन्दसौर के शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले प्रमुख समाज बंधुओं को भी सम्मानित किया जाएगा।

राधेश्याम बैरागी करजू कोर कमेटी अध्यक्ष मंदसौर, श्याम दास वैष्णव सरपंच रिंडा युवा जिलाध्यक्ष मन्दसौर, समरथ बैरागी पटवारी' अध्यक्ष प्रतिभा सम्मान समारोह, माधवी बैरागी मुख्य संरक्षक मंदसौर, आशा ओमप्रकाश वैष्णव जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ मन्दसौर, रानी कारूदास वैष्णव मूंदेडी महिला प्रकोष्ठ जिला उपाध्यक्ष मन्दसौर, भावना कैलाश रामावत देवाखेड़ा महिला प्रकोष्ठ तहसील अध्यक्ष मल्हारगढ़, रानू सुनील वैष्णव नाहरगढ़ महिला प्रकोष्ठ तहसील अध्यक्ष सीतामऊ, नीतू दीपक रामावत महिला प्रकोष्ठ तहसील अध्यक्ष मन्दसौर, किरण श्यामदास रामावत महिला प्रकोष्ठ तहसील अध्यक्ष दलौदा, दिनेश बैरागी रेलवे वाले तहसील अध्यक्ष मन्दसौर, रामकृष्ण वैष्णव नाहरगढ़ तहसील अध्यक्ष सीतामऊ, डॉ कृष्णा वैष्णव काचरिया तहसील अध्यक्ष मल्हारगढ़, नागुदास वैष्णव आक्या उमाहेडा तहसील अध्यक्ष दलौदा,आदि श्री वैष्णव बैरागी कोर कमेटी टीम मंदसौर ने समाज जनों से इस भव्य आयोजन में शामिल होने की अपील की हे। संचालन एडवोकेट तरुण वैष्णव प्रतापगढ़ करेंगे। उक्त जानकारी महेश कुमार वैष्णव सेवा संघ मंदसौर ने दी।

शासकीय महाविद्यालय में 'गणित क्लब' का शुभारंभ

पिपलियामण्डी। पं. अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय, पिपलिया में विद्यार्थियों की शैक्षणिक अभिरुचि को बढ़ावा देने एवं तार्किक चिंतन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'गणित क्लब' का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रो. प्रेरणा शर्मा ने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत महान गणितज्ञों के योगदान को दर्शाने वाले आकर्षक पोस्टर विद्यार्थियों द्वारा तैयार कर प्रदर्शित किए गए।

इन पोस्टर्स में आर्यभट्ट, भास्कराचार्य और श्रीनिवास रामानुजन जैसे महान वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का प्रभावी चित्रण किया गया। प्राचार्य डॉ. आर.के. श्रीवास्तव ने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा प्राचीन काल से ही समृद्ध और वैज्ञानिक सोच से परिपूर्ण रही है। गणित क्लब का उद्देश्य विद्यार्थियों में विषय के प्रति गहन रुचि व तर्कपूर्ण दृष्टिकोण विकसित करना है।

उन्होंने कहा कि भारतीय गणितज्ञों की उपलब्धियाँ आज भी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। प्रो. प्रेरणा शर्मा ने कहा कि 'गणित केवल संख्याओं का विषय नहीं, बल्कि तार्किक चिंतन और समस्या-समाधान कौशल का आधार है।'

उन्होंने बताया कि सीमित संसाधनों में भारतीय गणितज्ञों द्वारा की गई विश्वस्तरीय खोजें आज भी गणित जगत का मार्ग प्रशस्त करती हैं। स्टाफ सदस्यों ने भी विद्यार्थियों को गणित क्लब की आगामी गतिविधियों जैसे क्विज़ प्रतियोगिता, सेमिनार, कार्यशालाएँ एवं शोध-प्रस्तुतियाँ में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रदर्शनी को रोचक व ज्ञानवर्धक बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम गणित को समझने को और सरल व आनंददायक बनाते हैं। आर.एस. कटारा, देवीलाल बामनिया, विजय शर्मा, गायत्री शर्मा, कविता विश्वकर्मा, मनुजेंद्र शर्मा सहित अन्य संकाय सदस्य तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सराफा बाजार में सौ से अधिक दुकानें हटाईं, फुटा व्यापारियों का गुस्सा

- 100 से अधिक दुकानों को हटाया, सिर्फ 69 दुकानें ही लगाई जाएंगी
- मोमोज, नूडल्स और अन्य चाइनीज आइटम की दुकानों को अनुमति नहीं

इंदौर. शहर के विश्व प्रसिद्ध सराफा बाजार की रात्रिकालीन चौपाटी को लेकर प्रशासन और व्यापारी संगठनों के बीच सहमति बन गई है. अब यहां सिर्फ 69 दुकानें ही लगाई जा सकेंगी. करीब सौ से अधिक दुकानदारों को अब वहां पर व्यापार करने से रोक दिया गया है. यह निर्णय गुरुवार को सराफा एसोसिएशन, चौपाटी एसोसिएशन और नगर निगम के अधिकारियों के बीच हुई बैठक में लिया गया. बैठक के बाद गुरूवार को रात में नगर निगम की टीम चौपाटी पर पहुंची और अवैध तरीके से लगी दुकानों को हटा दिया.

इस दौरान कई दुकानदारों का गुस्सा भी फूटा और लगभग डेढ़ घंटे तक वे धरने पर बैठे रहे. बाद में निगम की टीम और अधिकारियों ने उन्हें समझाइश देकर रवाना किया. गुरुवार शाम से ही नगर निगम का बड़ा अमला सराफा बाजार में तैनात था. अधिकारियों ने आते ही स्पष्ट कर दिया कि स्वीकृत सूची के अलावा अगर कोई भी दुकानदार अपनी दुकान लगाता है, तो उसे तुरंत हटा दिया जाएगा. बताया जाता है कि पहले 80 दुकानों को अनुमति देने की चर्चा थी, लेकिन सहमति न बनने पर नई सूची तैयार की गई. इस अंतिम सूची पर सराफा चौपाटी एसोसिएशन के अध्यक्ष राम गुप्ता और सराफा व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष हुकुमचंद सोनी ने हस्ताक्षर किए हैं.

परंपरागत दुकानें ही लगेंगी- महापौर : महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि इंदौर की ऐतिहासिक एवं परंपरागत पहचान सराफा चौपाटी में व्यवस्थित व्यापार और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम इंदौर द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया

एक नजर — मध्यप्रदेश पुलिस का ऑपरेशन मुस्कान बना वरदान

दीक्षारंभ कार्यक्रम का भव्य समापन : नए विद्यार्थियों ने बढ़ाया आत्मविश्वास

मंदसौर। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, मंदसौर में बी.एससी. (हॉर्टिकल्चर) प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आयोजित 15 दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम शनिवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की संरचना, नियम-विनियम, छात्रवृत्तियाँ, एंटी-रैगिंग व्यवस्था और शैक्षणिक अवसरों से अवगत कराना रहा।

पूरे कार्यक्रम में सबसे विशेष बात यह रही कि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. इंदर सिंह तोमर सभी सत्रों में निरंतर उपस्थित रहे और अपने प्रेरणादायक संबोधनों से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करने का संदेश देते रहे।कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के कई अनुभवी विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। प्रमुख वक्ताओं में बृजेश जोशी, श्री प्रदीप शर्मा, डॉ. आशीष जोशी, डॉ. जवाहर मंडलोई, विष्णु सेन कच्छावा, न्यायमूर्ति आर.एस. चुण्डावत, डॉ. खुशाल सिंह पुरोहित, डॉ. परिधि मंडलोई, डॉ. दीपिन माथुर, डॉ. बृज बिहारी शर्मा, डॉ. केशव कांत गौतम और डॉ. तेजराज सिंह हाड़ा शामिल रहे।

इन विशेषज्ञों ने सामाजिक दायित्व, फिल्म निर्माण, स्वस्थ जीवनशैली, आयुर्वेद, कॉस्मेटोलॉजी, व्यक्तित्व विकास, कानूनी साक्षरता और कृषि में करियर अवसर जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं।

डॉ. एच.पी. सिंह ने RAWE कार्यक्रम के विभिन्न चरणों की विस्तृत जानकारी दी, वहीं श्री प्रदीप तुरकुमाने (खेल अधिकारी) ने विद्यार्थियों के लिए योग, ध्यान और फिटनेस गतिविधियों के सत्र आयोजित किए।

डॉ. अल्पना कुम्हारे ने 'ग्रीन ग्रेजुएशन' कार्यक्रम के महत्व और पर्यावरण लाभों के बारे में बताया, जबकि डॉ. देवेंद्र इनवाती ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रश्न बैंक की सुविधाओं और उसके शैक्षणिक लाभों से अवगत कराया।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. खुशाल सिंह पुरोहित का विशेष सत्र कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा, जिसमें उन्होंने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता ह्रास एवं पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका पर प्रभावी व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और प्रतियोगिताएँ भी आयोजित हुईं, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में विद्यार्थियों को बी.एससी. हॉर्टिकल्चर पाठ्यक्रम वितरित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. जे.एस. दुबे (प्राचार्य, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, मंदसौर) ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण, सकारात्मक सोच और धैर्य के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

संचालन में डॉ. रूपेश चतुर्वेदी, डॉ. बी.के. पाटीदार और डॉ. देवेंद्र इनवाती (दीक्षारंभ समन्वयक) का विशेष योगदान रहा।

समग्र रूप से यह 15 दिवसीय कार्यक्रम नए विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहा, जिसने उनके शैक्षणिक सफर की मजबूत और सकारात्मक शुरुआत सुनिश्चित की।